अनियमितताओं को रोकने के लिए भारतीय इस्पात प्राधिकरण में परिवर्तन करने का प्रस्ताव ।

2504. **श्री सोम पाल**: क्या इस्पात मंत्री 4 अगस्त,1995 को राज्य सभा में अतारांकित प्रश्न 752 के दिये गये उत्तर को देखेंगे और यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) सरकार मनमानी कार्यवाहियों,भ्रष्टाचार और अनियमितताओं को नियंत्रित करने हेतु भारतीय इस्पात प्राधिकरण की अभिवृद्धि और क्रियाकलापों में क्या परिवर्तन करने का विचार रखती हैं,और

(ख) यदि नहीं,तो इसके क्या कारण हैं? इस्पात मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री सन्तोष मोहन देव): (क) और (ख) इस संबंध में कोई विशेष प्रस्ताव विचाराधीन नहीं हैं । तथापि सतर्कता और भ्रष्टाचार-विरोधी उपायों के कार्यान्वयन की प्रगति की आवधिक रूप से समीक्षा की जाती हैं । और जहां आवश्यक होता हैं,उपचारात्मक उपाय किए जाते हैं ।

Flouting of Laws by Government Servants to Compete for Awards

2505. SHRI V. RAJAN CHELLAPPA: Will the Minister of WELFARE be pleased to state:

(a) whether Government servants or officials can compete for prizes and awards like Dr. Bhimrao Ambedker Award sponsared by his Ministry;

lb) whether Government are issuing circulars encouraging the officials to name ihemselves or their benami social work organisations to apply for such awards;

(c) whether it is a fact that no worthwhile organisations exists outside the bureaucracy who Jan suitably apply for such awards; and

id) if not, the steps proposed to ban all Government officials or their benami organisations from seeking or applying for such awards?

THE MINISTER OF WELFARE (SHRI SITARAM KESRI): (a) The competent authorities as mentioned in the approved Code of Procedure, can recommend proposals for Dr. Ambedkar National Award. AH persons or group of persons or organisations without any distinction of race, caste, creed or sex shall be eligible for award.

(b) A circular is issued every year calling for such proposals as mentioned above.

(c) and (d) As the award is open to all Indian National individual (s) or Organisation (s), and various such proposals that are received are considered by a properly authorised Jury chaired by the Vice-President of India for selection of the awardees; the question as at (c) and (d) does not arise.

Pending Major and Minor Irrigation Projects

2506. SHRI S.S. SURJEWALA; Will the Minister of WATER RESOURCES be pleased to state:

(a) whether it is a fact that in 1990 there were 182 major and hundreds of minor on-goi ng irrigation projects in the country and Rs. 40,000 crores was required for their completion;

(b) if so, the number of projects completed by 31st March, 1995 and the number of those still pending completion; and

(c) the total cost estimated to complete the pending irrigation projects?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF WATER RESOURCES (SHRI P.V. RANG AY YA NAIDU) (a) to (c) 166 Major, 239 Medium and 103 Extension/Renovation/ Modernisation (ERM) schemes spilled over into the annual plan 1990-91. One new Major Project was taken up for execution in 1990-9 i. 9 Major, 13 Medium and 8 ERM schemes were completed during Annual Plans 1990-92. Thus 158 major, 226 medium & 95 ERM Schemes spilled over into VIII Plan and an amout of Rs. 36.876,69 crores was required for their completion. Out of these 7 Major, 6 Medium & 2 ERM schemes are reported to have been completed during the years 1992-94. The details of Minor Irrigation schemes are not kept at the Centre.

DDA's Expandable Housing Scheme

2507. SHRI RAJNI RANJAN SAHU: Will the Minister of URBAN AFFAIRS & EMPLOYMENT be pleased to state:

(a) the number of houses allotted by the DDA under the Expandable Housing Scheme, 1995;

(b) the number of requestes received for cancellation of allotments;

(c) whether the DDA has assessed the reasons for a large number of requests for cancellation of houses, if so, the details thereof;
and

(d) whether the process of reimburesement of initial deposit money has been initiated, if not, by when it is likely to be completed, stating
the reasons for the delay?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF URBAN AFFAIRS AND EMPLOYMENT (SHRI P. K.THUNGON): (a) DDA has reported that 6847 houses have been allotted under the Expandable Housing Scheme 1995.

(b) About 3700 requests have been recived as on 31.07.1995.

(c) No specific study has been undertaken for the purpose. However, the applications received for cancellation of allotments reveal that the surrender of flats has been made for the following reasons:--

(i) Allottees find the cost on the higher side,
(ii) Financial problems,
(iii) The flats are not located in population localities,
(iv) Small accommodation,
(v) Personal Reasons.

(d) The process of reimburesement of initial deposit money after introducing cancellation charges in respect of applicants, who have surrendered the allotments, has already been started.

लौह अयस्क के उत्पादन हेतु स्टील अर्थारिटी ऑफ इंडिया(सेल) द्वारा शुरू की गई परियोजनाएं

2508. **श्री दिलीप सिंह जूदेव**: क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) गत तीन वर्षो के दौरान स्टील अथौरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड ने देश में लौह अयस्क के उत्पादन हेतु कौन-कौन सी परियोजनाएं आरम्भ की हैं

(ख) क्या"सेल" ने इस आश्य की कोई रिपोर्ट प्रस्तुत की हैं कि वित्तीय संकट के कारण बड़े उत्पादन कार्यक्रम आरम्भ नहीं किये जाएगें;

(ग) यदि हां,तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या हैं;

(घ) क्या पश्चिमी बंगाल और मध्य प्रदेश राज्यों में किन्हीं ऐसे कार्यक्रमों को छोड़ दिया गया हैं;और

(ड़)यदि हां,तो ऐसी परियोजनाओं को पुनः चालू करने के लिये " सेल" को पर्याप्त धन उपलब्ध कराने हेतु क्या कदम उठाए जाने का विचार हैं?

इस्पात मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री संतोष मोहन देव): (क) लौह अयस्क का उत्पादन करने के लिये पिछले 3 वर्षो 1992-93 से 1994-95 के दौरान " सेल" द्वारा कोई नई परियोजना शुरू नहीं की गई हैं।

(ख) जी,नहीं।

(ग) प्रश्न नहीं उठता।

(घ) जी,नहीं।

(ड़) प्रश्न नहीं उठता।

हिन्दुस्तान स्टीलवर्क्स कंस्ट्रक्शन लिमिटेड (एच.एस.सी.एल.) के दुर्गापुर स्थित एकक में विभागीय मजदूरों की संख्या

2509. **श्री गया सिह**: क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) एच.एस.सी.एल.के दुर्गापुर स्थित एकक में कुल कितने विभागीय मजदूर कार्यरत हैं;

(ख) वहां कितने ठेका मजदूर कार्यरत हैं;और

(ग) सप्लाई मजदूरों (दैनिक वेतन भोगी ठेका मजदूर) की कुल संख्या कितनी हैं और तत्संबंधी ब्यौरा क्या हैं?

इस्पात मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री संतोष मोहन देव): (क) एच.एस.सी.एल.की दुर्गापुर इकाई में इस समय 486 विभागीय कर्मचारी हैं।

(ख) दुर्गापुर इस्पात संयंत्र के आधुनिकीकरण के अंतर्गत कार्य निष्पादित करने के लिये एच.एस.सी.एल. द्वारा एजेंसियों के माध्यम से लगाए गये ठेका कामगारों की संख्या 1850 हैं।

(ग) एच.एस.सी.एल.ग्राहकों को श्रमिक नहीं देता। अतः इस जानकारी को शून्य समझा जाए।

Privatisation of Mines

2510. SHRI KRISHAN KUMAR BIRLA: Will the Minister of STEEL be pleased to state:

(a) whether the attention o! Government has been drawn to the press news-item